ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–९१
दिनांक- मंगलवार, ३० नवम्बर, २०२१

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय बेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 26.7 एवं 12.7 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 98 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 62 प्रतिशत, हवा की औसत गति 6.0 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण 1.7 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 4.5 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 17.1 एवं दोपहर में 26.1 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(01–05 दिसम्बर, 2021)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 01–05 दिसम्बर, 2021 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में मध्यम बादल आ सकते हैं। इस अवधि में मौसम के शुष्क रहने का अनुमान है। हलाकि बेगुसराय, समस्तीपुर, दरभंगा एवं मधुबनी जिलों के एक–दो स्थानों पर ४–५ दिसंबर के आसपास बूंदा बूंदी हो सकती है।
- अधिकतम तापमान 24 से 27 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 12 से 14 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- औसतन 8 से 15 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से अगले 4 दिनों तक पछिया हवा तथा उसके बाद पुरवा हवा चलने का अनुमान है। रात्री एवं सुबह में हल्के कुहासे छा सकते है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 80 से 90 प्रतिषत तथा दोपहर में 55 से 65 प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- रबी मक्का की बुआई सम्पन्न कर लें। अगात बोयी गयी मक्का की फसल में निकौनी एवं आवश्यकतानुसार सिंचाई करें।
- रबी प्याज की रोपाई के लिए खेत की तैयारी करे। खेत की जुताई में १५ से २० टन गोबर की खाद, ६० किलोग्राम नेत्रजन, ८० किलोग्राम फॉसफोरस, ८० किलोग्राम पोटास तथा ४० किलोग्राम सल्फर प्रति हेक्टेयर का व्यवहार करें। जिन किसान का प्याज का पौध ५०–५५ दिनों का हो गया हो वें छोटी–छोटी क्यारीयाँ बनाकर पाँक्ति से पाँक्ति की दूरी १५ से०मी०, पौध से पौध की दूरी १० से०मी० पर रोपाई करें। क्यारीयों का आकार, चौड़ाई १.५ से २.० मीटर तथा लम्बाई सुविधानुसार ३–५ मीटर रखे। पिछात प्याज की पौधशाला से प्रत्येक १० से १२ दिनों के अन्तराल में खरपतवार निकाल कर हल्की सिंचाई करें।
- गन्ना की रोपाई के लिए स्वस्थ बीज का चयन करें। इसके लिए सी०ओ०पी०– ९३०१, सी०ओ०पी०–२०६१, सी०ओ०पी०– ११२, बी०ओ–९१, बी०ओ–१५३ एवं बी०ओ०– १५४ किस्में इस क्षेत्र के लिए अनुशंसित हैं। कार्वेन्डाजिम दवा के १ ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर गन्ना के गेड़ियों को १०–१५ मिनट तक उपचारित कर रोपाई करें। दीमक, कल्ला एवं जड़ छिद्रक कीट से बचाव हेतु बीज को क्लोरपाईरिफॉस २० ई०सी० का ५ लीटर प्रति हेक्टेयर रोपनी के समय पोरियों पर सिराउर में छिड़काव करें।
- १० दिसम्बर के बाद गेहूँ की पिछात किस्मों की बुआई की सलाह दी जाती है। इसके लिए अभी से ही प्रमाणित स्त्रोत से बीज का प्रबंध कर लें। उत्तर बिहार के लिए गेहूँ की पिछात किस्में जैसे पी०बी०डब्लू० ३७३, एच०डी० २२८५, एच०डी० २६४३, एच०यू०डब्लू० २३४, डब्लू०आर० ५४४, डी०बी०डब्लू० १४, एन०डब्लू० २०३६, एच०डी० २९६७ तथा एच०डब्लू० २०४५ अनुशसित है। बीज को बुबाई से पहले बेबीस्टीन २.५ ग्राम की दर से प्रति किलोग्राम बीज को उपचारित करें। दीमक से बचाव के लिए क्लोरपायरिफॉस २० ई०सी० दवा का ८ मि०ली० प्रति किलोग्राम बीज की दर से अवश्य उपचारित करें। छिटकबाँ विधि से बुआई के लिए प्रति हेक्टेयर १२५ किलोग्राम तथा सीड ड्रील से पंक्ति में बुआई के लिए १०० किलोग्राम बीज का व्यवहार करें। बुआई पूर्व खेत में १५०–२०० क्विटल कम्पोस्ट, ६० किलोग्राम नेत्रजन, ६० किलोग्राम फॉसफोरस एवं ४० किलोग्राम पोटास प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें।
- चना की बुआई अतिशीघ्र सम्पन्न करने का प्रयास करें। चना के लिए उन्नत किस्म पूसा–२५६, के०पी०जी०–५६(उदय), के०डब्लू०आर० १०८, पंत जी १८६ एवं पूसा ३७२ अनुशंसित हैं। बीज को बेबीस्टीन २.५ ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें। २४ घंटा बाद उपचारित बीज को कजरा पिल्लू से बचाव हेतु क्लोरपाईरीफॉस ८ मि०ली० प्रति किलोग्राम की दर से मिलावें। पुनः ४ से ५ घंटे छाया में रखने के बाद राईजोबीयम कल्चर (पाँच पैकेट प्रति हेक्टेयर) से उपचारित कर बुआई करें।
- गोभी की फसल में पत्ती खाने वाली कीट (डायमंड बैक मॉथ) की निगरानी करें। इस कीट के पिल्लू गोभी की मध्यवाली पत्तियों तथा सिरवाले भाग को अधिक क्षति पहुँचाती हैं। शुरुआती अवस्था में यह पिल्लू पत्तियों की निचली सतह में सुरंग बनाकर एवं उसके अन्दर पत्तियो को खाता है। इस कीट से वचाव हेतु स्पेनोसेड ४८ इ०सी० दवा एक मि०ली० प्रति ४ लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें। अच्छे परिणाम के लिए एक मि०ली० गोन्द प्रति लीटर पानी में डालें।
- आलू की रोपाई प्राथमिकता दे कर पूरा करने का प्रयास करें। जिन किसानों के खेतों में आलू के पौधों की उँचाई १५–२० से०मी० हो गयी हो उन्हे आलू में निकौनी कर मिट्टी चढ़ाने एवं सिंचाई की सलाह दी जाती है।
- सब्जियों वाली फसल में निकौनी एवं आवश्यकतानुसार सिंचाई करें। बैगन की फसल में तना एवं फल छेदक कीट की निगरानी करें। बचाव हेतु ग्रसित तना एवं फलो को इकठा कर नष्ट कर दें, यदि कीट की संख्या अधिक हो तो स्पिनोसेड ४८ इ०सी०/१ मि०ली० प्रति ४ ली० पानी की दर से छिड़काव करे।
- लहसुन की फसल में निकाई–गुराई करें तथा कम अवधि के अन्तराल में नियमित रुप से सिंचाई करें। लहसुन में कीट–व्याधी की निगरानी करें।
- अगात बोयी गयी मक्का की फसल में निकौनी एवं आवश्यकतानुसार सिंचाई करें। आलू में निकौनी कर मिट्टी चढ़ाने एवं सिंचाई की सलाह दी जाती है।
- अगात मटर की फसल में अच्छे फलन के लिए २ प्रतिशत यूरिया के घोल का छिड़काव करें। चने, मटर और टमाटर की फसल में फली छेदक कीट निगरानी करें। कीट से बचाव हेतु फिरोमोन प्रपंश / ३–४ प्रपंश प्रति एकड़ की दर से लगायें।
- चारे के लिए जई तथा बरसीम की बुआई करें। दूधारु पशुओं के रख–रखाव एवं खान पान पर विशेष ध्यान दें। पशुओ को रात में खुले स्थान पर नहीं रखें।

आज का अधिकतम तापमानः 26.6 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.2 डिग्री सेल्सियस कम	आज का न्यूनतम तापमानः 11.0 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.6 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी

(डॉ0 ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी